छत्तीसगढ़ विधान सभा

पत्रक भाग - एक

संक्षिप्त कार्य विवरण

चतुर्थ विधान सभा सप्तम सत्र अंक-08

रायपुर, सोमवार, दिनांक 14 मार्च, 2016

(फाल्गुन 24, शक संवत् 1937)

विधान सभा पूर्वाह्न 11.00 बजे समवेत हुई।

(अध्यक्ष महोदय (श्री गौरीशंकर अग्रवाल) पीठासीन हुए।)

1. राष्ट्रकुल दिवस पर माननीय अध्यक्ष द्वारा अनौपचारिक उल्लेख

राष्ट्रकुल संसदीय संघ के सदस्य देश, प्रतिवर्ष मार्च माह के द्वितीय सोमवार को राष्ट्रकुल दिवस के रूप में मनाते हैं।

तदनुसार आज सोमवार, दिनांक 14 मार्च, राष्ट्रकुल दिवस है । इस वर्ष राष्ट्रकुल देशों ने An Inclusive Commonwealth अर्थात एक समेकित राष्ट्रकुल सूत्र को वर्ष 2016 का आधार बनाया है ।

विश्व की लगभग एक तिहाई आबादी आज राष्ट्रकुल में सम्मिलित है । यह राष्ट्रकुल विभिन्न धर्मों, जाति, संस्कृति, सिद्धांतों, मूल्यों, आस्थाओं एवं परम्पराओं के लगभग दो अरब नागरिकों का समूह है । विश्व के 53 सदस्य देशों में विस्तारित इस संगठन की सफलता का आधार है - परस्पर सदभाव, समझ-बूझ तथा असहमति एवं असमानता के होते हुए भी परस्पर सम्मान की भावना से ओत-प्रोत समुदाय की रचना करते हुए विश्व बंधुत्व एवं वसुधैव कुटुम्बकम की कसौटी पर खरा उतरने का दृढ़ संकल्प और वस्तुत: यही हमारे गौरवशाली अतीत, हमारे सुनहरे भविष्य, हमारी सुरक्षा, हमारी उन्नति एवं हमारे समेकित, समावेशी विकास का आधार भी है ।

राष्ट्रकुल वैश्विक राजनैतिक पृष्ठभूमि का वृहद एवं अहम हिस्सा है । इसमें अफ्रीकी, एशियाई, कैरिबियाई, यूरोपियन और पैसेफिक देश समाविष्ट हैं । समता पर आधारित यह एक ऐसा संगठन है, जो लोकतंत्र एवं स्वतंत्रता का पक्षधर है । यहां एक ओर जहां धन-कुबेरों की अपनी भूमि है, वहीं गरीबों की भी अपनी धरती है।

स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में व्याप्त मत-मतान्तरों, कार्य-व्यवहार में भिन्नताओं तथा भिन्न-भिन्न राजनैतिक प्रतिबद्धताओं के मध्य समन्वय संतुलन, स्थापित करने की राह यद्यपि आसान नहीं होती तथापि परस्पर सौहार्द, विचार-विनिमय, सहिष्णुता, सहनशीलता व परस्पर

मेल-मिलाप की सतत् प्रक्रियाओं को अपनाते हुए राष्ट्रकुल संसदीय संगठन ने एक मिसाल कायम की है। इन ऊर्ध्वगामी विचारों ने एक समेकित राष्ट्रकुल की अवधारणा को चरितार्थ किया है।

आईए, हम सब भी समेकित राष्ट्रकुल के सूत्र को अपना मूल मंत्र मानते हुए आज राष्ट्रकुल दिवस के अवसर पर, यह संकल्प लें कि हम परस्पर सहयोग, मेल-जोल एवं समन्वय से एक जागरूक, स्वस्थ, ऊर्जावान्, विकासशील समाज को सृजित करने एवं विश्व बंधुत्व की भावना को पुष्पित एवं पल्लवित करने हेतु सतत् प्रयत्नशील रहेंगे ।

इस अवसर पर यही मेरी शुभकामनाएं हैं ।

2. प्रश्नकाल

प्रश्नोत्तर सूची में शामिल 25 तारांकित प्रश्नों में से प्रश्न संख्या 01 से 05, 07 से 09 एवं 11 तथा 13 (कुल 10) प्रश्नों पर अनुपूरक प्रश्न पूछे गये।

तारांकित प्रश्न संख्या 06, 10 एवं 12 के प्रश्नकर्ता सदस्य क्रमश: सर्वश्री जनकराम वर्मा, मनोज सिंह मंडावी, अमरजीत भगत अनुपस्थित रहे।

प्रश्नोत्तर सूची में नियम 46 (2) के अंतर्गत अतारांकित प्रश्नों के रूप में परिवर्तित 41 तारांकित एवं 65 अतारांकित प्रश्नों के उत्तर भी शामिल थे ।

श्री टी.एस.सिंहदेव नेता प्रतिपक्ष ने कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित किए जाने का आग्रह किया।

श्री अजय चंद्राकर, संसदीय कार्य मंत्री ने इस हेतु सहमति व्यक्त की।

माननीय सदस्यों की भावनाओं का सम्मान करते हुए माननीय अध्यक्ष द्वारा अपराह्न 12.01 बजे विधान सभा की कार्यवाही मंगलवार, दिनांक 15 मार्च, 2016 (फाल्गुन-25, शक संवत् 1937) के पूर्वाह्न 11.00 बजे तक के लिए स्थगित की गई ।

देवेन्द्र वर्मा
प्रमुख सचिव
छत्तीसगढ़ विधान सभा